सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शनिवार, 05 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 99, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड विभागाध्यक्ष की नियुक्ति पर मौन साध गए बीएचयू कुलपति... » Pg10

तोड़फोड़ के दौरान किताबें समेटकर भागी अनन्या को अखिलेश ने किया सम्मानित

» Pg12

महराजगंज में सीएम योगी का बड़ा ऐलान

वक्फ के नाम पर कब्जे वाली जमीनें वापस लेंगे

654 करोड़ की परियोजनाओं की दी सौगात, कहा- वक्फ बोर्ड पर एक्शन के बाद अब शिक्षा और स्वास्थ्य पर होगा फोकस

रोहिन बैराज का उद्घाटन

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

महराजगंज। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ आज शनिवार को रोहिन बैराज के उद्घाटन और 654 करोड़ रुपए की 629 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के लिए महाराजगंज जिले में थे। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि लाखों एकड़ जमीन वक्फ बोर्ड के नाम पर कब्जा किए जाने का काम किया गया था। चंद लोगों का लूट का माध्यम बन गया थाए जिस पर अब पूरी तरह से लगाम लगेगी। इन जमीनों को वापस लिया जाएगा। अब वक्फ बोर्ड की जमीन पर कोई डकैती नहीं डाल पाएगा। चौराहों की जमीनों पर कोई कब्जा नहीं कर सकता है। जो भी सार्वजनिक जमीन होगी उनको विद्यालय, चिकित्सालय, कॉलेज एवं मेडिकल कॉलेज बनाने के काम में लिया जाएगा। वक्फ बोर्ड के नाम पर लाखों एकड़ भूमि पर कब्जा है। इससे किसी गरीब का कल्याण नहीं होता था।

इस लूट पर अब सख्ती से लगाम लगेगी। पिछली सरकारों को अपने परिवार का पेट भरने की फुर्सत नहीं थी। पहले एक जनपद एक माफिया की पहचान थी। अब एक जनपद एक मेडिकल कालेज से जिले जाने जा रहे हैं। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन से उत्तर प्रदेश अब नई ऊंचाइयां छू रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को महराजगंज जिले के रतनपुर में 654 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। दो वर्ष के अंदर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। हर घर बिजली के बाद अब हर घर नल- जल योजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। महराजगंज अब पिछड़ा जिला नहीं है। विकास व विरासत का समन्वय कैसे होना चाहिए काशी व अयोध्या इसके उदाहरण हैं। महाकुंभ का आयोजन देखकर तो पूरी दुनिया भौचक्की रह गई।

कहा कि आज जगह-जगह हाईवे, मेडिकल कालेज, विद्यालय सहित अन्य आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। उत्तर प्रदेश देश की दूसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले जब त्योहार आते थे तो लोग इस बात पर सहमे रहते थे कि कब क्या हो जाए। 2017 के बाद दंगे नहीं हुए। यदि किसी ने दंगा किया तो उसे अपने बाप-दादा की कमाई से भी वंचित होना पड़ा।

» प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन से नई ऊंचाई छू रहा उत्तर प्रदेश: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महराजगंज के नौतनवा ब्लॉक में रोहिन बैराज का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने एक अन्नप्राशन कार्यक्रम में बच्चों का अन्नप्राशन कराया। उन्होंने पहली बार स्कूल जा रहे बच्चों के बीच स्कूल बैग का वितरण भी किया। सीएम ने कहा कि अब यूपी में कोई भूखा नहीं मरता है। नौजवाओं के लिए शिक्षा, बेटी की सुरक्षा, व्यापारियों का सम्मान व अन्नदाता की खुशहली के लिए सरकार कार्य कर रही है। रोहिन बैराज इसका उदाहरण है। जिससे बड़ी संख्या में किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा।

संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस बार विशेष रूप से महिलाओं और बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। देवी मंदिरों व शक्तिपीठों में महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष अभियान भी चलाए जाएंगे। इस मौके पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, प्रभारी मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, नौतनवा विधायक ऋषि त्रिपाठी, पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया, सिसवा विधायक प्रेम सागर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल व भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने मां पाटेश्वरी देवी के दर्शन कर की पूजा-अर्चना

बलरामपुर दौरे के दूसरे दिन शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वासंतिक नवरात्र की अष्टमी के अवसर पर माता पाटेश्वरी शक्ति पीठ में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। माता पाटेश्वरी शक्ति पीठ में विधि-विधान के साथ मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना की।

मंदिर में पूजन के बाद मुख्यमंत्री मंदिर परिसर में ही स्थित गौशाला पहुंचे। वहां उन्होंने गायों को अपने हाथों से गुड़ और हरा चारा खिलाया। मंदिर में मौजूद बच्चों को टॉफियां और चॉकलेट देकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। इस दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अष्टमी व रामनवमी के अवसर पर प्रमुख शक्तिपीठों व मंदिरों में रामचरितमानस का अखंड पाठ पांच व छह अप्रैल को कराया जाएगा। यह पाठ चयनित भजन मंडलियों द्वारा किया जाएगा। इसके लिए इन्हें पांच हजार रुपये का मानदेय भी दिया जाएगा।

नाभि खिसकने से पाचन तंत्र पर होता गंभीर असर

Dr. Mishra's ALTERNATIVE THERAPY HUB

पाचन कमज़ोर हो जाने से व्यक्ति बीमार हो जाता है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नाभि खिसकने को गोला खिसकना भी कहा जाता है. नाभि खिसकने से पाचन तंत्र पर असर पड़ने की वजहें नाभि खिसकने से पाचन तंत्र पर दबाव पड़ता है. नाभि की अनियमित स्थिति पेट के अंगों के काम को बाधित करती है. नाभि खिसकने से पेट में गैस, कब्ज़ और अपच की समस्या हो सकती है. नाभि खिसकने से शरीर में टॉक्सिन्स (विषैले पदार्थ) जमा होने लगते हैं. नाभि खिसकने से मेटाबॉलिज़्म धीमा हो सकता है.

डॉ महिमा सिंह ने कहा कि नाभि खिसकने के कुछ खास लक्षण हैं। जैसे पेट फूलना, गैस, कब्ज़, डायरिया, भूख कम लगना, पेट भारी महसूस होना, दस्त, उल्टी, जी मिचलाना, घबराहट.

नाभि खिसकने से राहत पाने के उपाय: सही आहार, आयुर्वेदिक काढ़े, योगासन, मालिश, सुखासन होते हैं।

नाभि खिसकने की प्रमुख वजहें

वज़न उठाने, अचानक झुकना, सीढ़ियां चढ़ना, एकदम से मुड़ना, ज्यादा तेल-मसाले वाला खाना खाना.

जागरण इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने आयोजित की खेल प्रतियोगिता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जागरण इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट,साकेत नगर की ओर से आयोजित दो दिवसीय के खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन शुक्रवार को फाइनल राउंड के मैच हुए। सौ व दो सौ मीटर स्पर्धा में कार्तिक,सृष्टि,सौम्या विजेता, ध्रुव एवं जानवी,वंदिशा,अभिजीत को उपविजेता, बालकों की 400 मीटर की रिले रेस में प्रिंस, अभिजीत,कार्तिक,सौरभ विजेता रहे। आयोजन के सफल संचालन में संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं गेम्स कोऑर्डिनेटर आशीष मिश्रा एवं आदर्श श्रीवास्तव ने अपना योगदान दिया।यहां जागरण इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट की निदेशक डा. दिव्या चौधरी,निदेशक डा.उपेंद्र पांडेय, निदेशक अमरदीप सिंह, प्राचार्या डा. अस्मिता दुबे ने विजेताओं को सर्टिफिकेट व मेडल देकर पुरस्कृत किया।

...पैसे नहीं दोगे तो साहब से कार्रवाई करा दूंगा!

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट के ककवन थाने के थानेदार पर थाने के ही कुछ दरोगाओं और पुलिसकर्मियों ने थानेदार द्वारा उगाही कराने का आरोप लगाते हुए पुलिस कमिश्नर से शिकायत की है। शिकायत के दौरान पुलिसकर्मियों ने कहा कि साहब कहते हैं कि लूट मार करो या उगाही मुझे बस पैसा चाहिए। नहीं दोगे तो साहब से शिकायत कर कार्रवाई करा दूंगा। इस शिकायत में कितनी सच्चाई है फिलहाल यह जांच का विषय है। लेकिन इससे खाकी की जमकर किरकिरी हुई है। और तब जब शिकायत करने वाली ही खुद खाकी हो और एक थाने की छत के नीचे

» **ककवन एसओ पर लगा उगाही कराने का आरोप**

» **थाने में तैनात दरोगाओं व पुलिस कर्मियों ने सीपी से की शिकायत**

» **18 मार्च को की गई शिकायत की जाँच अभी तक नहीं हुई पूरी**

» **एसओ बोले सभी आरोप झूठे हैं**

काम करते हों। कमिश्नर ने इस पूरे मामले की जांच एडीसीपी पश्चिम विजेंद्र द्विवेदी को सौंपी है।

बीते 18 मार्च को पश्चिम जोन के थाना ककवन में तैनात दरोगा उदयपाल पांडेय, अक्षय गौड़, वरुण कुमार, धीरेंद्र यादव,

प्रवीन राव, हेड कांस्टेबल (डाक मुंशी) अल्का, महिला कांस्टेबल पूजा चौधरी और सीसीटीएनएस में तैनात कर्मचारियों ने पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से शिकायत की थी। शिकायत करने वाले पुलिस कर्मियों का आरोप है कि थानेदार से जनता परेशान है। बिना पैसे लिए कोई काम नहीं करते। हम लोग भी परेशान हैं। ऐसे उगाही कराने के थानेदार पर कई आरोप लगे हैं। जिसकी जाँच अभी पूरी नहीं हुई है। उधर डीसीपी पश्चिम आरती सिंह का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जो आरोप लगे हैं वह सही पाए गए तो थाना प्रभारी पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आईजीआरएस रैंक: बीस नंबर की छलांग, जिले की 41वीं रैंक

» **डीएम बोले- अभी और सुधार की जरूरत**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। डीएम के सख्त तेवर और लगातार काम को लेकर संजीदगी का रिजल्ट मिल ही गया। जिले ने आईजीआरएस रैंकिंग में बीस नंबर की छलांग मारते हुए 41 वीं रैंक हासिल की है। फरवरी में जिले की रैंक 61वीं थी, जिसके बाद डीएम ने सभी विभागों को अल्टीमेटम जारी कर दिया था। मार्च में प्राप्तांक 106 और 75.71 प्रतिशत है। वहीं फोन कॉल और निगेटिव फीडबैक के चलते प्रतिशत कम हो गया।

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि फोन कॉल और निगेटिव फीड बैक के चलते रैंक में ठीक सुधार नहीं हो सका। शिकायत के निस्तारण से पहले वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायतकर्ता से जरूर बात कर लेनी चाहिए जो जटिल विषय है जैसे न्यायालय, मांगपत्र या अन्य तो ड्रॉप डाउन मीनू में ऑप्शन सेलेक्ट कर दें तो उससे फीडबैक खराब नहीं होता है।जनता की शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली करने वाले अफसरों पर डीएम की कार्रवाई का असर अब दिखने लगा है। शिकायतों के निस्तारण में जिले ने बीस नंबर की छलांग मारी है। शिकायत निस्तारण को गंभीर डीएम ने कई आलाधिकारियों तक को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया था। रैंक गिरने पर कई अफसरों पर कार्रवाई तय थी। इतनी सख्ती

के बाद फरवरी में जिले की रैंक 61वीं थी तो इस दफा 41 वीं है। फरवरी में 140 में 103 अंक मिले थे इस दफा 106 अंक मिले हैं। वहीं कुल अंकों में पिछले महीन 73.57 प्रतिशत थे तो इस दफा 75.71 प्रतिशत मिले हैं।

फोन कॉल में मिला दस में दो नंबर

शासन ने दस नंबर फोन कॉल का भी जोडा है। शासन के फीडबैक के साथ अब अफसरों को भी शिकायतकर्ता को फोन कॉल कर फीडबैक लेने शुरू किया गया है। इसमें कर्मचारियों की रिपोर्ट के आधार पर शिकायतकर्ता को फोन कॉल करके फीडबैक लेना होगा। कानपुर जिले को इसमें दस में दो अंक मिले हैं।

महिलाओं के लैंगिक उत्पीडन को रोकने के लिए बनाएं समिति :डीएम

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न एक्ट के तहत आंतरिक परिवार समिति गठित किए जाने को लेकर समीक्षा बैठक की। डीएम ने सभी सार्वजनिक एवं निजी सरकारी गैर सरकारी कार्यालयों, प्रतिष्ठानों में महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न (निवारण,परिषेध एवं प्रतिदोष) अधिनियम 2013 की धारा 4 के अनुसार आंतरिक समिति का गठन कराने के लिए नोडल अधिकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी जयदीप सिंह को निर्देश दिया। कहा, हर तीन माह में समिति की समीक्षा जरूर की जाए। डीएम ने कहा कि सरकारी या गैर सरकारी कार्यालयों में यदि आंतरिक परिवार समिति का गठन नहीं किया जाता है तो संबंधित कार्यालयों पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाए। डीएम ने सीएमओ को निर्देश दिया कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व प्राइवेट हॉस्पिटल, जहां 10 से अधिक कर्मचारी है, वहां आंतरिक परिवार समिति का गठन कराया जाए। श्रम विभाग के अधिकारी सभी कार्यालयों में समिति का गठन कराना सुनिश्चित करें। डीएम ने बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक और उच्च शिक्षा अधिकारी को स्कूल या कॉलेज स्तर पर आंतरिक परिवार समिति का गठन कराने का निर्देश दिया। डीएम ने सभी तहसील में एसडीएम को, ब्लॉक पर खंड विकास अधिकारी को और नगर निकाय क्षएत्र में नगर अधिशासीय अधिकारी नोडल होंगे, जो अपने क्षेत्र के कार्यालयों में कमेटी गठित कर त्रैमासिक रिपोर्ट उपलब्ध कराएंगे। इसी तरह, सभी थाना, डीसीपी व एसीपी कार्यालय, जहां 10 से अधिक कर्मी है, वहां यह समिति गठित करने के लिए पुलिस उपायुक्त महिला अपराध को निर्देश दिया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, सीएमओ डॉ. हरि दत नैमी आदि मौजूद रहे।

गंगनहर और वन विभाग की मिलीभगत से हरे पेड़ों पर चल रहा आरा

» हरे पेड़ काटने से पहले ही जुर्माना की रसीद काट दी जाती है ठेकेदारों को ताकि कोई पोल खुले तो बचा जा सके

» वीडियो में ठेकेदार के कर्मचारी बता रहे हैं कि डीएफओ से बात कर लो रसीद काट कर दी गई है जुर्माना की पहले ही

» उत्तर प्रदेश सरकार की अरमानों पर पानी फेरते नजर आ रहे हैं वन विभाग व गंग नहर के अधिकारी और कर्मचारी

» परसेंटेज के हिसाब से फिक्स होता है हरे पेड़ों की कीमत।

» बड़े लकड़हारों से मिलकर हरे पेड़ों को काटने का बड़े पैमाने में चल रहा है खेल

स्वराज इंडिया संवाददाता

पतारा (कानपुर)। सरकार द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम हर तहसील हर जिले में किया जा रहा है। लगातार पेड़ बचाओ पेड़ लगाओ अभियान के तहत वृक्षों को लगाया जा रहा है जिससे कि हमें मिलने वाली ऑक्सीजन शुद्ध तरीके से मिल सके लेकिन कुछ लकड़ी माफियाओं की वजह से सूखे पेड़ को छोड़ो हरे पेड़ भी काटे जा रहे हैं।

बता दें कि यह मामला पतारा विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत माइनर तिलसडा के तेजपुर बंबा से बलहापार मोड़ के पास पटरी में खड़े नीम के पेड़ों की कटान हो रही है। ठेकेदारों के द्वारा आखिरकार गंग नहर की किस अधिकारी के संरक्षण पर यह कटान किया जा रहा है। गंग नहर की पटरी से हरे नीम के पेड़ों की कटाई कर ट्रैक्टर में लादते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिस पर साफ तौर पर देखा जा रहा है। कि गंग नहर की पटरी जो माइनर तिलसडा में कटाई करते हुए वीडियो वायरल हुआ है। हालांकि स्वराज इंडिया अखबार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। लेकिन जो वीडियो में बताया जा रहा है वह बड़ा खुलासा है। वन विभाग से मिलकर वृक्ष को काटा गया है। मैडम ने जुर्माना की रसीद पहले ही काट दिया है पेड़ काटने से पहले ताकि पकड़े जाने पर विवाद की स्थिति पैदा ना हो , और इस वीडियो में बता रहा है। कि मैडम जी से बात हो गई है आप बात कर लो हम मैडम जी के परमिशन से ही काट रहे हैं,लकड़ी और सूत्रों का दावा है कि यह जो माइनर में हरे पेड़ों की कटाई की गई है वह गंग नहर व वन विभाग के कर्मचारियों की मिली भगत से काटी जा रही है। ठेकेदारों द्वारा प्रति लकड़ी पर रुपए फिक्स किए हुए हैं उसे हिसाब से काटते हैं। और जब विभाग के उच्च अधिकारियों से वार्तालाप करो तो अपना अपना पल्ला झाड़ते नजर आते हैं ,और अपने विभाग के कर्मचारियों को बचते नजर आते हैं। इस वीडियो में कितनी सच्चाई है। यह जांच का विषय है। पर वीडियो में साफ देखा जा रहा है, कि गंग नहर की पटरी से लकड़ी माफिया का हरे पेड़ों को काटना विभागीय मिली भगत का शिकार हो रहे हैं

जिम्मेदारों का क्या कहना है?

जेई तिलसडा नीरज चौरसिया ने बताया कि मुझे इस चीज की जानकारी नहीं है। राजस्व विभाग इसकी जांच कर रही है। आप हमको विडियो में जो कार्मचारी लकड़ी काटते दिख रहे हैं , पता करके बताओ , मनोज चौरसिया पत्रकार से ही कहने लगे की वीडियो में जो है, तुम पता करके हमें बताओ तब हम कार्रवाई करेंगे। पत्रकार जांच कर नाम लिख कर देंगे तब जेई साहब कार्रवाई करेंगे।

सहायक अभियंता तृतीय दिनकर उपखण्ड फूलबाग कानपुर नगर से वार्तालाप होने पर बताया कि यह हमारे क्षेत्र में नहीं है जबकि जांच करने सहायक अभियंता को ही भेजा गया है वह भी सरासर झूठ बोलते नजर आ रहे हैं पत्रकारों से भी...।

गंगनगर के अधीक्षण अभियंता से फोन पर कहा जब संपर्क साधा गया तो पत्रकार द्वारा अपना परिचय दिया गया इसके बाद तुरंत जैसे ही लकड़ी काटने की घटना को बताया तो तत्काल फोन काट दिया गया, जबकि उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी का स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी अधिकारी मीडिया कर्मी का फोन अनदेखा नहीं कर सकता उठाकर जवाब देना होगा लेकिन यहां पूरे कुएं में भ्रष्टाचार की भांग मिली नजर आती है और।

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर गरमाई सियासत

ओवैसी पर गरजे जगतगुरु परमहंसाचार्य महाराज, कहा- संविधान की मर्यादा का करें सम्मान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या ।सदर तहसील के तिकोनिया पार्क में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान जगतगुरु परमहंसाचार्य महाराज ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को लेकर ,द्धस्न्द्धरू प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर जमकर निशाना साधा। संसद में ओवैसी द्वारा बिल की प्रतियां फाड़े जाने की घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने इसे 卐संविधान का अपमान卐 और 卐लोकतांत्रिक मर्यादा का उल्लंघन卐 बताया ।जगतगुरु परमहंसाचार्य महाराज ने कहा, 卐संसद द्वारा पारित किसी भी कानून का सभी नागरिकों को सम्मान करना चाहिए। यदि किसी को किसी कानून से आपत्ति है तो उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव या न्यायिक माध्यम से चुनौती देनी चाहिए, न कि संसद और सड़कों पर हंगामा करके। उन्होंने ओवैसी को चेतावनी भरे लहजे

में कहा कि यदि ऐसे बयान और हरकतें जारी रहीं तो 卐18 करोड़ नागा साधु तैयार हैं, जो उन्हें घसीट कर सबक सिखाएंगे।卐 उन्होंने स्पष्ट किया कि देश का संविधान सर्वोपरि है और सभी को इसकी मर्यादा का पालन करना चाहिए ।महाराज ने आगे कहा कि जो कानून संसद में पारित होता है, वह पूरे देश के लिए मान्य होता है। उसका विरोध सड़कों पर जाम लगाकर या हिंसा फैलाकर नहीं किया जाना चाहिए। यह लोकतंत्र का अपमान है।卐 उन्होंने आम जनमानस से भी अपील की कि वे किसी भी मुद्दे को लेकर संयम और संवैधानिक तरीकों से अपनी बात रखें।

इस दौरान उन्होंने वक्फ संपत्तियों को लेकर जारी विवाद पर भी टिप्पणी की और कहा कि यह संशोधन आम जनता के हित में है और इससे देश में पारदर्शिता बढ़ेगी। प्रेस वार्ता के अंत में जगतगुरु महाराज ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे देश की एकता, अखंडता और संविधान की गरिमा को बनाये रखें और किसी भी उकसावे में न आएं।

सम्पादकीय

अनिवार्य सार्वजनिक प्रकटीकरण वक्त की मांग

ऐसे वक्त में जब न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता की मांग सार्वजनिक विमर्श में है, सुप्रीम कोर्ट के सभी वर्तमान न्यायाधीशों के द्वारा न्यायालय की वेबसाइट पर विवरण प्रकाशित करके अपनी संपत्ति का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने पर सहमति व्यक्त करना सुखद ही है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। दरअसल, यह कदम न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास में लगी आग में नोटों का जखीरा जलने के समाचार प्रकाश में आने के कुछ समय बाद उठाया गया है। उल्लेखनीय है घटना के समय वे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। निश्चय ही इस घटनाक्रम से समाज में अच्छा संदेश नहीं गया। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। जनता हमेशा से ही पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा रखती है। दरअसल, न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति के खुलासे का मुद्दा दशकों तक सार्वजनिक विमर्श में उठता रहा है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 में, सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार उसके सभी न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी थी। इसी प्रकार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को ये विवरण उनके राज्य के मुख्य न्यायाधीशों के समक्ष पेश करने थे। यहां ये उल्लेखनीय है कि इस प्रस्ताव के साथ एक शर्त भी जुड़ी थी कि ये घोषणाएं स्वैच्छिक और गोपनीय रहेंगी। लेकिन साथ ही सार्वजनिक विमर्श में यह मुद्दा भी रहा कि जनता भी इन जानकारियों को जानने की इच्छुक रहती है। वहीं दूसरी ओर वर्ष 2005 में सूचना के अधिकार अधिनियम को एक उम्मीद की किरण के रूप में देखा गया। लेकिन सूचना के अधिकार अधिनियम के एक प्रावधान में व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक करने में छूट दी गई थी। तर्क दिया गया था कि जब तक व्यापक सार्वजनिक हित में जरूरी न हो, प्रकटीकरण में छूट दी जाए।

दरअसल, इन प्रावधानों से न्यायाधीशों की संपत्ति की घोषणाओं की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं के लिए एक अवरोध पैदा हुआ। यहां उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की अनुमति देते हुए कहा था कि सूर्य का प्रकाश वास्तव में सबसे अच्छा कीटाणुनाशक है। इस वक्तव्य के आलोक में न्यायाधीशों को भी अपनी संपत्ति के बारे में वास्तविक जानकारी सार्वजनिक परिदृश्य में रखने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। अन्यथा तथ्यों की परदादारी जनमानस के मन में कतिपय संशयों को भी जन्म दे सकती है। न्यायिक परिदृश्य में पारदर्शिता उजागर करने में विधायिका की सक्रिय भूमिका भी वक्त की मांग है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जवाबदेही से भी जुड़ा है। यह सुखद होगा।

मानवीय रचनात्मकता को एआई टूल्स की चुनौती

दिनेश सी. शर्मा

मानवीय रचनात्मकता को एआई टूल्स की चुनौती कार्टून या एनिमेशन स्ट्रिप बनाने में सैकड़ों घंटों की मेहनत खपती है। इसलिए, श्रेय और पैसा सृजनकारों का नैसर्गिक हक है। एआई कंपनियां वह करने में लगी हैं, जिसे आलोचक डाटा-चोरी कहते हैं और ऐसा करके वे सृजनकर्ता के श्रेय और पैसा, दोनों पर डाका डाल रही हैं।डिजिटल दुनिया में एक नया चलन जोर पकड़ रहा है। उपयोगकर्ताओं ने एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एआई तकनीक की मदद से प्रसिद्ध जापानी एनिमेटर हयाओ मियाज़ाकी की शैली में निर्मित अपनी, परिजनों और अन्य तस्वीरों की बाढ़-सी ला रखी है। मियाज़ाकी सुप्रसिद्ध घिबली स्टूडियो के संस्थापक हैं, जिसने पिछले चार दशकों में जाने-माने एनिमेशन चरित्रों को पैदा किया है। हल्के, पेस्टल रंगों में पात्रों को चित्रित करने की विशिष्ट शैली को घिबली कला के रूप में जाना जाता है।

हालांकि, उपयोगकर्ताओं द्वारा ऑनलाइन पोस्ट की जा रही कला मूल घिबली न होकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टूल्स का उत्पाद है, जो कि परीक्षण के आधार पर मुफ़्त में उपलब्ध है। राजनेता, फैशन और खेल जगत के स्थापित चेहरे और मशहूर हस्तियों सहित लाखों उपयोगकर्ता इस शैली में चित्र बनाने के लिए एआई टूल्स का उपयोग कर रहे हैं।

हालांकि जेनेरेटिव एआई टूल- जो इस सामग्री को बनाने में उपयोग किए जा रहे हैं - पिछले कुछ सालों से वजूद में हैं, लेकिन वर्तमान चलन की चिंगारी को ओपन एआई द्वारा विकसित एक नए टूल्स ने भड़काया है। चैट जीपीटी हो या बृहद भाषा मॉडल (लार्ज लैंग्वेज मॉडल अर्थात एलएलएम), ये टूल्स चंद शब्दों वाली निर्देशावली (टेक्स्ट) के आधार पर विस्तृत लेख, पुस्तक अध्याय, सोशल मीडिया पोस्ट इत्यादि वांछित सामग्री उत्पन्न कर देते हैं। नवीनतम मल्टीमॉडल जेनेरेटिव एआईटूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट, तस्वीर, वीडियो, आवाज और संगीत के नमूने का उपयोग करते हुए वांछित आउटपुट को चित्र और वीडियो के रूप में निर्मित करके दे सकते हैं। मिडजर्नी, स्टेबल डिफ्यूजन और डीएएलएल-ई जैसे टूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट से सचित्र आउटपुट पैदा कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई डीएएलएल-ईको एमएफ हुसैन या जैमिनी रॉय की शैली में दिल्ली की सड़क की पेंटिंग बनाने का निर्देश दे, तो वह कुछ सेकंड के भीतर बनाकर पेश कर देगा। 'लेंसा' जैसे इमेज-टू-इमेज टूल भी हैं जो इनपुट छवियों के बदले छवि या उसका सुधरा संस्करण प्रदान कर सकते हैं। घिबली शैली में उत्पन्न छवियों ने लोगों की कल्पना को इसलिए भी अपनी ओर खींचा है क्योंकि वे बहुत मासूम और मज़ेदार दिखती हैं। हालांकि, इस मासूमियत के तले टेक्स्ट और इमेज-जेनेरेटिव एआई सिस्टम से संबंधित गंभीर नैतिकता के मुद्दे छिपे हुए हैं।

कोई भी एआई सिस्टम विभिन्न स्रोतों से एकत्र किए गए वास्तविक डाटा पर काम करता है। एआई टूल्स को प्रशिक्षित करने में भारी मात्रा में डाटा (टेक्स्ट, इमेज, संगीत इत्यादि) की जरूरत पड़ती है। यदि किसी एलएलएम को अमिताभ घोष या रस्किन बॉन्ड की शैली में एक छोटी-सी कहानी बनाने के लिए कहा जाए तो इसे वह इन लेखकों की तमाम रचना का भारी-भरकम डाटा खंगालने के बाद उत्पन्न करता है। इस सामग्री का अधिकांश हिस्सा कॉपीराइट वाला होता है, और एआई कंपनियों ने अपने सिस्टम को 'प्रशिक्षित' करने के लिए लेखकों से इसके लिए समुचित अधिकार खरीदे नहीं होते। यही बात घिबली स्टूडियो सरीखी या हुसैन जैसे उस्तादों की पेंटिंग्स बनाने पर लागू है एआई कंपनियां दावा करती हैं कि वे केवल सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध डाटा का ही उपयोग कर रही हैं, लेकिन उनके इस दावे को सृजनकर्ता पचा नहीं पा रहे। कॉपीराइट कानूनों में अंतर्निहित 'उचित इस्तेमाल' प्रावधान का दुरुपयोग यह तकनीक बनाने वाली कंपनियां कर रही हैं। इस तरह के उल्लंघन से निपटने के लिए मौजूदा कॉपीराइट ढांचे अपर्याप्त हैं। उत्तरी अमेरिका और यूरोप की अदालतों में तकनीक बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ मामले पहले से चल रहे हैं।दरअसल, जेनेरेटिव एआई रचनात्मकता के मूल विचार पर हमला कर रहा है।

अब भी संपूर्ण स्वास्थ्य की उम्मीद में दुनिया

विश्व स्वास्थ्य दिवस

डॉ. ए.के. अरुण

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लक्ष्य की घोषणा करते हुए कहा है कि प्रत्येक स्वास्थ्य संगठन और समुदाय यह सुनिश्चित करे कि मां और नवजात शिशु का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे तथा इनकी असमय मृत्यु को रोका जा सके।

आम लोगों का स्वास्थ्य कभी भी राजनीति का मुख्य एजेंडा रहा ही नहीं, जबकि आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में स्वास्थ्य एक बेहद ज़रूरी विषय के रूप में खड़ा हो गया है। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 का थीम या लक्ष्य की यदि हम बात करें तो इस वर्ष यह मिलेनियम स्वास्थ्य लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से 'आशापूर्ण भविष्य के लिए स्वस्थ शुरुआत' पर ज़ोर दे रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लक्ष्य की घोषणा करते हुए कहा है कि प्रत्येक स्वास्थ्य संगठन और समुदाय यह सुनिश्चित करें कि मां और नवजात शिशु का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे तथा इनकी असमय मृत्यु को रोका जा सके। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष 2024 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपना लक्ष्य 'मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार' रखा था। यह अलग बात है कि दुनिया भर की सरकारों ने स्वास्थ्य के नागरिक अधिकारों पर स्पष्ट रूप से कुछ भी ठोस नहीं किया। हां, भारत में एकमात्र राज्य राजस्थान की पूर्व कांग्रेस की सरकार ने नागरिकों के स्वास्थ्य को उनके मौलिक अधिकार के रूप में क़ानून बनाकर लागू कर दिया।' स्वस्थ शुरुआत आशापूर्ण भविष्य' के विभिन्न पहलुओं पर यदि ध्यान दें तो निश्चित ही नवजात शिशु एवं माताओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। इसके लिए प्रत्येक प्रखंड एवं गांवों

में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचों को और मज़बूत करना होगा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों जैसे आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका एवं प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सक्रिय बनाना होगा। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को और जवाबदेह बनाना होगा। सभी सरकारों को अपना स्वास्थ्य बजट सम्मानजनक तरीके से जीडीपी के अनुसार बढ़ाना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि समुचित पोषण और दवा के अभाव में कोई भी शिशु या गर्भवती मां अथवा व्यक्ति की असमय मृत्यु न हो। स्वास्थ्य और उपचार की सर्वसुलभता सुनिश्चित करनी होगी। सरकार और समुदाय को मिलकर काम करना होगा।आज़ादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी देश में जनस्वास्थ्य की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं अभियानों के बाद भी हम अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सके हैं। महज़ आंकड़ों की बाजीगीरी और झूठे प्रचार से जन-स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता।

इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि महिलाओं में प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं तथा नवजात शिशुओं और बच्चों की रुग्णता व मृत्यु दर को कम करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पायी है।वर्ष 2025 के स्वास्थ्य लक्ष्य की घोषणा करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की दृष्टि महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर ही गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन चाहता है कि दुनिया भर में नवजात शिशुओं और माताओं का स्वास्थ्य बेहतर हो ताकि भविष्य की आबादी में स्वस्थ लोगों की अच्छी संख्या हो। हम जानते हैं कि दुनिया भर में महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति समाज और सरकारें सदैव दोयम दर्जे की दृष्टि रखते हैं।

हालांकि, पश्चिमी देशों में महिलाओं की स्थिति काफ़ी बेहतर है लेकिन भारत एवं एशियाई देशों में महिलाओं को स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा जद्दोजहद करनी पड़ती है। आज़ादी के बाद से अब तक भारत में दो बार राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण हुए। इसमें केंद्र सरकार के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या अध्ययन संस्थान ने भी हिस्सा लिया। सार्वजनिक रूप से अप्रकाशित इन सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार प्रत्येक एक लाख जीवित शिशु के जन्म पर लगभग 540 माताओं की मृत्यु हो जाती है।

यमुना छठ, हर संकट से मिले पूरी शुभ छुट!

इस बार यमुना छठ का पर्व 03 अप्रैल 2025 को मनाया जा रहा है। इस दिन यमुना नदी में स्नान करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है। इस दिन यमुना नदी के साथ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। यमुना छठ का व्रत करने से व्यक्ति को यम और शनि के भय से मुक्ति मिलती है।

हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को यमुना छठ का व्रत किया जा रहा है। इसको यमुना जयंती के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व यमुना नदी के पृथ्वी पर आगमन का प्रतीक है। हिंदू धर्म में यमुना को एक पवित्र नदी माना जाता है। इस बार यमुना छठ का पर्व 03 अप्रैल 2025 को मनाया जा रहा है। इस दिन यमुना नदी में स्नान करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है। इस दिन यमुना नदी के साथ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। यमुना छठ का व्रत करने से व्यक्ति को यम और शनि के भय से मुक्ति मिलती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको यमुना छठ की तिथि, मुहूर्त और पूजन विधि के बारे में बताने जा रहे हैं।

तिथि और मुहूर्त

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि की शुरूआत 02 अप्रैल 2025 की रात 11ः49 मिनट पर हुई और इसका समापन 02 अप्रैल की रात 09 41 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के हिसाब से 03 अप्रैल 2025 को यमुना छठ का व्रत किया जा रहा है। हिंदू पंचांग के मुताबिक इस दिन स्नान के लिए सुबह 04ः38 मिनट से 05ः47 मिनट तक का समय शुभ माना गया है। इसके अलावा आप विजय, अभिजीत और गोधूलि मुहूर्त में भी स्नान-दान कर सकते हैं।

पूजा विधि

यमुना छठ के दिन सुबह जल्दी उठकर यमुना नदी में स्नान करें और फिर भगवान श्रीकृष्ण और यमुना नदी की पूजा करते हैं। पूजा में फल, फूल और मिठाई आदि अर्पित की जाती है। इस दिन यमुना अष्टक का पाठ करें और फिर आरती करें। इस दिन दान-पुण्य करना बहुत शुभ माना जाता है। लोग यमुना छठ का व्रत करते हैं।

महत्व विशेष रूप से यमुना छठ का पर्व उत्तर भारत, खासकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में मनाया जाता है। यह पर्व मां यमुना नदी की पूजा के लिए समर्पित है। इस पर्व को धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से काफी अहम माना जाता है। दरअसल, यमुना नदी का भगवान श्रीकृष्ण से गहरा संबंध है। श्रीकृष्ण ने यमुना नदी के तट पर कई लीलाएं की थीं। इसलिए इस दिन यमुना छठ के दिन भगवान श्रीकृष्ण की भी पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि यमुना छठ पर यमुना नदी में स्नान करने से यम और शनि के भय से मुक्ति मिलती है। इससे आत्मा शुद्ध होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

राम नवमी पर करें उपाय, पूरी होगी चाह!

रामनवमी का त्योहार हिंदू धर्म बेहद महत्व रखता है। इस खास दिन को प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव के रुप में मनाया जाता है। वैसे तो राम नवमी का धार्मिक महत्व है, तो वहीं, दूसरी ओर इस दिन का ज्योतिष में विशेष स्थान है। आइए आपको राम नवमी के उपायों के बारे में बताते हैं।

प्रभु श्री राम को प्रसन्न करने के लिए राम नवमी के दिन करें ये उपाय, पूर्ण होगी आपकी मानोकामना रामनवमी का त्योहार हिंदू धर्म बेहद महत्व रखता है। इस खास दिन को प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव के रुप में मनाया जाता है। वैसे तो राम नवमी का धार्मिक महत्व है, तो वहीं, दूसरी ओर इस दिन का ज्योतिष में विशेष स्थान है। आइए आपको राम नवमी के उपायों के बारे में बताते हैं।

राम नवमी एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है, जो भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के जन्मोत्सव के तौर पर मनाया जाता है। राम नवमी हिंदू महीने चैत्र के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। इस दिन भगवान राम का जन्म हुआ था।

राम नवमी की दिन भगवान श्री राम के बाल स्वरुप की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जो भी व्यक्ति पूरी श्राद्धा से श्री राम के बाल स्वरुप की आराधना की जाती है, जिससे व्यक्ति के जीवन में सदैव सुख-समृद्धि बनीं रहती है। इस लेख में हम आपको राम नवमी के उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं।

चंदन का उपाय

चंदन की प्राकृति वैसे ठंडी होती है। माना जाता है कि जिस वस्तु का जैसा प्राकृतिक स्वभाव होता है उसका वैसा ही प्रभाव व्यक्ति के जीवन पड़ता है। इस उपाय को करने के लिए राम नवमी के दिन एक कटोरी में चंदन घोलें और इसके बाद इस लेप से घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाएं। ऐसा करने से घर में सकारात्मक संचार और सुख-समृद्धि बनीं रहती है।

इसके अतिरिक्त, चंदन के लेप से एक सफेद कागज पर श्री राम लिखिए और उसे आप अपने घर के मंदिर रख दीजिए। ऐसा करने से पारिवारिक क्लेश दूर हो जाएगा। रिश्तों में आपसी प्रेम बढ़ेगा और संबंधों में मजबूती आएगी।

पीले वस्त्र का उपाय

इसके लिए आप एक पीला कपड़ा लें और उसे मंदिर में दान कर दीजिए। शास्त्रों के मुताबिक राम नवमी के दिन पीला कपड़ा मंदिर में दान करने से सफलता प्राप्त होती है, इसके साथ ही काम में आने वाली सभी बाधाएं दूर हो जाती है। वैवाहिक जीवन से जुड़ी कोई वस्तु पीले कपड़े में बांधकर रख जाए तो इससे वैवाहिक जीवन का क्लेश दूर हो जाता है। वैवाहिक जीवन में खुशहाली आती है। धनुष का उपाय करें

श्री राम का अस्त धनुष और बाण थे। राम नवमी के दिन घर पर धनुष और बाण रखा जाए तो इससे न सिर्फ नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और शत्रुओं का नाश होता है। हर परेशानी से बाहर निकलने का रास्ता निकाल आता है। इस दिन आप धनुष और बाण को अपने मंदिर में रख सकते हैं या फिर घर की तिजोरी में भी रख सकते हैं। श्री राम की बाल स्वरुप की फोटो को घर में लाना शुभ होता है।

इससे संतान प्राप्ति में आ रही बाधाएं दूर हो जाती है। इसके साथ ही संतान का भाग्योदय होता है।

अप्रैल में घूमें, खूबसूरत हिल्स का लुत्फ़ उठाएं!

अगर आप भी अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए किसी हिल स्टेशन जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हसीन और बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में तापमान आसमान छूने लगता है। अप्रैल के महीने में हर कोई घूमने का प्लान बनाता है। तो वहीं कई लोग ठंडी-ठंडी हवाओं का लुत्फ उठने के लिए हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में घूमने के लिए जाते हैं, तो कुछ उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लेह लद्दाख जैसी जगहों पर पहुंचते हैं। ऐसे में अगर आप भी अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए किसी हिल स्टेशन जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हसीन और बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ हसीन पल बिता सकते हैं।

रिकांग पिओ अप्रैल की गर्मी में आप शिमला, कुल्लू-मनाली, डलहौजी या धर्मशाला जाने की बजाय रिकांग पिओ भी जा सकते हैं।

रिकांग पिओ समुद्र तल से करीब 7 हजार से भी अधिक फीट ऊंचाई पर मौजूद है। यहां पर भीषण गर्मी में भी तापमान 10एष्ट से 20एष्ट के बीच रहता है। रिकांग पिओ में आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

मुनस्यारीअगर आप उत्तराखंड की हसीन

वादियों में सुकून के पल बिताना चाहते हैं, तो आपको अपने पार्टनर के साथ मुनस्यारी पहुंच जाना चाहिए। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित मुनस्यारी एक हसीन और शानदार हिल स्टेशन है।

यहां पर आपको घने जंगल, बादलों से ढके पहाड़, झील-झरने और ठंडी हवाओं में आप सुकून और शांति के पल बिता सकते हैं। यहां पर कई कपल्स हनीमून के लिए पहुंचते हैं। मुनस्यारी में आप खलिया टॉप, नंदा देवी मंदिर, बिर्थी जलप्रपात और थमरी कुंड जैसी शानदार जगहों पर घूम सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। सोनमर्ग

वैसे तो जम्मू-कश्मीर की हर जगहें पर्यटकों को खूब आकर्षित करती हैं। इसलिए ही जम्मू-कश्मीर को धरती का स्वर्ग माना जाता है। यह एक ऐसी जगह है, जहां पर सालों साल ठंडी हवाओं का लुत्फ उठाया जा सकता है। अप्रैल की गर्मी में आप सोनमर्ग घूमने के लिए जा सकते हैं। अप्रैल के महीने में सोनमर्ग का तापमान 10एष्ट से 20एष्ट के बीच में रहता है। यह जगह देश का सबसे रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है। यहां पर आप अप्रैल के महीने में भी स्नो एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

लेह लद्दाख अगर आप अप्रैल की गर्मी में किसी ठंडी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, तो आप लेह-लद्दाख घूमने के लिए जा सकते हैं। लेह लद्दाख देश के टॉप पर्यटन स्थलों में से एक माना जाता है।

अप्रैल के अलावा जून और जुलाई की भीषण गर्मी में भी हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक लेह लद्दाख घूमने के लिए पहुंचते हैं। वहीं कई कपल्स अप्रैल-मई-जून और जुलाई में यहां पर सिर्फ हनीमून मनाने के लिए भी पहुंचते हैं। वहीं यहां पर आप शानदार और मजेदार एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। इन जगहों पर भी जाएं इसके अलावा देश में अन्य कई शानदार और हसीन जगहें मौजूद हैं। ऐसे में आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में हिमाचल प्रदेश में मैक्लोडगंज और खज्जियार, उत्तराखंड में औली या चोपता और नॉर्थ ईस्ट में गंगटोक या नॉर्थ सिक्किम जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर करने पहुंच सकते हैं।

नौगजापीर के उर्स को लेकर कमेटी ने बुलाई बैठक

दरगाह परिसर में कमेटी के लोगों ने बैठक कर तैयार की उर्स की रूपरेखा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। शुक्रवार को नौगजापीर बाबा के उर्स को लेकर दरगाह कमेटी ने दोपहर दरगाह परिसर में जिम्मेदारों के साथ बैठक कर उर्स की रूपरेखा तैयार की।

कमेटी के सदस्य पूर्व चेयरमैन नूर इदरीसी ने बताया कि सालाना तीन दिवसीय उर्स को लेकर बैठक की गई। जिसमें उर्स से संबंधित कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। बताया आगामी 18 तारीख से तीन दिवसीय उर्स की शुरुआत होगी

।इस दौरान कमेटी सदस्य में प्यारे खान,फुरखान ठेकेदार, सरदार टेलर, लाले खान , राजा,मोहम्मद, शानू, इरफ़ान, अनवार कुरैशी,अरशद, महबूब, आकिब, नसरत समेत कई जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

चौबेपुर में विधानसभा अध्यक्ष ने पीडीए चौपाल लगाकर की चर्चा

हर वर्ग के लोग पीडीए चौपाल में हुए शामिल

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। चौबेपुर ब्लॉक के मारियानी गांव में विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव के नेतृत्व पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के हर वर्ग के लोग मौजूद रहे। इस दौरान विनय यादव ने कहा कि पीडीए हर समाज वर्ग को लेकर साथ चल रही है। इस बार पीडीए की सरकार बनने जा रही है। कहा कि हम बड़े स्तर पर पीडीए अभियान के तहत पिछड़े दलित व अल्पसंख्यक समाज के लोगों को पार्टी में जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर पूर्व प्रधान अजहर अली, रमेश गौतम, वीरेंद्र वर्मा, रोहित राजपूत, सुनील यादव, बाबू सिंह कुशवाहा, अनुराग सविता समेत कई सपाई मौजूद रहे।

बेईमान फिल्म की शूटिंग हुई थी शहर में

कानपुर में अभिनेता मनोज कुमार को देखने उमड़ी थी भीड़

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। फिल्म अभिनेता, निर्माता, निर्देशक मनोज कुमार फिल्म उपकार की रिलीज पर कानपुर आए थे तो उन्हें देखने को भारी भीड़ उमड़ी थी। यह वह दौर था जब फिल्म प्रेमी उनके दीवाने थे। मनोज कुमार की एक और सुपरहिट फिल्म बेईमान की शूटिंग भी कानपुर में हुई थी।

बात 1967 की है, जब पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के नारे जय जवान-जय किसान नारे से प्रेरित मनोज कुमार की फिल्म उपकार रिलीज हुई थी। उस दौरान मॉल रोड स्थित हीर पैलेस टाकीज का जलवा हुआ करता था। 1966 में इसका निर्माण गाजीपुर के ठाकुर बीपी सिंह ने करवाया था। इसी में फिल्म उपकार लगी थी। मनोज कुमार इस फिल्म की रिलीज पर यहां आए तो भीड़ उमड़ पड़ी। आसपास सड़कें जाम थीं। पुलिस ने बमुश्किल भीड़ को नियंत्रित किया था। बताते हैं कि मनोज कुमार इस टाकीज को देखकर मन्त्रमुग्ध हो गए थे। उनके मुंह से निकला था कि ऐसा सिनेमा हॉल तो बॉम्बे में भी नहीं है। उपकार यहां 45 हफ्ते तक चली थी और रिकार्ड कायम किया। अब इस टाकीज को अजय देवगन की कंपनी ने आधुनिक तरीके, नई साजसज्जा और तकनीक से संवारा है।

अब यहां थ्री-स्क्रीन है। मनोज कुमार की एक और सुपरहिट फिल्म बेईमान में भी कानपुर का जिक्र है। इसकी शूटिंग कानपुर के जेके मंदिर, इसके बगल की नहर और मॉल रोड में भी हुई थी। इसमें फिल्माया गया था कि मनोज कुमार अपनी नायिका से मुलाकात करने यहां आते हैं। फौव्वारे के आसपास के दृश्य इसमें हैं।

नीरज ने लिखे थे पहचान के गीत

कानपुर में अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा गुजारने वाले गीतकार गोपालदास नीरज ने मनोज कुमार की फिल्म पहचान के लिए गीत लिखे थे। इसमें बस यही अपराध मैं हर बार करता हूं, आदमी हूं आदमी से प्यार करता हूं ..आया न हमको प्यार जताना, प्यार कभी से तुम्हें करते हैं, वो पैसे की पहचान यहां, इंसान की कीमत कोई नहीं ..वो परी कहां से लाऊं, तेरी दुल्हन जिसे बनाऊं .. जैसे सुपरहिट गीत लिखे थे। फिल्म भी हिट रही थी।

मनेथू रूपपुर गांव में देवी जागरण में बही भजनों की बयार

शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रमुख युवा समाजसेवी एवं पत्रकार राहुल अग्निहोत्री ने किया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरवनखेड़ा विकास खण्ड क्षेत्र के मनेथू रूपपुर गांव स्थित सिद्ध पीठ बरगदी माता मंदिर परिसर में विशाल जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रमुख युवा समाजसेवी एवं पत्रकार राहुल अग्निहोत्री ने अपनी टीम के साथ पहुंचकर मातारानी की आरती,पूजा अर्चना कर के किया।वही कार्यक्रम आयोजकों ने मुख्य अतिथि व उनके साथ मौजूद सभी सम्मानित सदस्यों को माला,शॉल,पटका पहनकर उनका जोरदार स्वागत तथा सम्मान किया। वहीं आए हुए सभी भक्तों के लिए सुख शांति और समृद्धि की कामना की साथ ही उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर जिस भी गांव और क्षेत्र में इस तरह के धार्मिक आयोजन होते है उस क्षेत्र व गांव में माता रानी के आशीर्वाद मात्र से तरक्की होती है और वातावरण शुद्ध होता।इसी क्रम में प्रमुख युवा समाजसेवी राहुल अग्निहोत्री ने 11 हजार रुपए का आर्थिक सहयोग दिया गया।इस अवसर पर रायपुर ग्राम सभा के पूर्व महेश तिवारी,व्यापारी नेता संजू बाजपेई,युवा समाजसेवी महेन्द्र शुक्ला,अजय सिंह चंदेल,हरिओम शुक्ला,दीपक मिश्रा,शिवम् पाण्डेय,सुशील बाजपेई,अशोक शुक्ला,पिंटू उमराव,संदीप शर्मा,सोनू पाण्डेय,अरुण त्रिपाठी,शिवा गुप्ता,निखिल साहू,उत्तम चंदेल,राम संजीवन सिंह चौहान,हनुमान सिंह चौहान,हर्षित अवस्थी,राजू पाण्डेय,वेद प्रकाश पाण्डेय आदि लोग मौजूद रहे.

हमीरपुर समानांतर हाईवे के लिए बनेगी डीपीआर, कितनी भूमि का अधिग्रहण और मुआवजा राशि खर्च होगी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रमईपुर से हमीरपुर होते हुए कबरई तक प्रस्तावित फोरलेन समानांतर हाईवे की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने का काम अब कंसल्टेंट शुरू करेगा। एलाइनमेंट की मंजूरी के साथ सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस परियोजना की डीपीआर के लिए हरी झंडी दे दी है।

माह में डीपीआर तैयार होगी। तभी इस मार्ग के निर्माण में आने वाली लागत, भूमि अधिग्रहण पर खर्च, कितनी भूमि का अधिग्रहण होगा आदि का निर्धारण होगा। इस हाईवे के बन जाने से कबरई से छतरपुर होते हुए भोपाल तक आवागमन आसान हो जाएगा। अभी बिधनू, घाटमपुर, सजेती स्थित यमुना पुल पर लगने वाले जाम से लोगों को घंटों हलकान होना पड़ता है।

भोपाल से छतरपुर कबरई तक फोर लेन बनाने का काम चल रहा है। कबरई से हमीरपुर होते हुए रमईपुर तक हाईवे को फोर लेन किया जाना है। अब ग्रीन फील्ड हाईवे के लिए एलाइनमेंट मंजूर कर लिया गया तो मंत्रालय ने कंसल्टेंट से कहा है कि वह डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने का काम शुरू कर दे।

कंपनी को छह माह का समय दिया गया है। यह हाईवे 112 किलोमीटर लंबा होगा।

पहले इसकी प्रस्तावित लागत 3700 करोड़ रुपये बताई गई थी। इस हाईवे पर चार बड़े, छह छोटे पुल बनेंगे। साथ ही चार फ्लाईओवर और एक रेलवे ओवरब्रिज के साथ 21 अंडरपास बनाए जाएंगे, ताकि लोगों को हाईवे क्रॉस करने में आसानी हो।

कानपुर, फतेहपुर, हमीरपुर व महोबा जनपदों की छह तहसीलों के 68 गांवों की भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है। भूमि अधिग्रहण पर करीब एक हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। 700 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

इसलिए जरूरी है नया हाईवे

हमीपुर, कबरई से बड़े पैमाने पर गिट्टी, मौरंग कानपुर, लखनऊ, सीतापुर, गोंडा, बहराइच, अयोध्या, लखीमपुर आदि जिलों को भेजी जाती है। हर दिन 30 हजार से अधिक डंफर और ट्रक गिट्टी, मौरंग लेकर जाते हैं। हाईवे पर हर दिन दो लाख से अधिक वाहन गुजरते हैं। इस वजह से जाम लगता है। वर्तमान हाईवे टू लेन है। इस वजह से भी जाम लगता है। इस समस्या के समाधान के लिए ही फोर लेन समानांतर हाईवे की योजना बनाई गई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कानपुर देहात जिले में अफसरों पर भ्रष्टाचार करवाने के आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार लगातार भष्टाचारों में लगाम लगा रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ कई बार अफसरों को हिदायत दे चुके है लेकिन इसके बाद भी भ्रष्टाचार टॉप पर चल रहा है।

कानपुर देहात में भष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच गया है। अभी कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश सरकार के आठ साल बेमिसाल का तीन दिवसीय कार्यक्रम ईको पार्क में आयोजित हुआ। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओर कानपुर देहात के प्रभारी मंत्री डॉक्टर संजय निषाद का आगमन हुआ था। प्रेस वार्ता आयोजित हुआ थी। भष्टाचार का पन्ना खोला गया था ओर प्रभारी मंत्री ने इस बात का दावा किया था जल्द ही कार्यवाही होगी। लेकिन कार्यवाही नहीं हुई। वहीं नीचे स्तर के अधिकारियों और कर्मियों पर गाज गिर जाती है। इन्हीं मुद्दों को लेकर विकास भवन परिसर के बाहर ग्राम पंचायत अधिकारी संघ, ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन समन्वय समिति धरना दे रही है। पंचायत सचिवों ने जिले के पंचायती राज विभाग पर मनमाने तरीके से काम कराने का दबाव बनाने और गलत ढंग से फर्जी शिकायतों के आधार पर कार्रवाई करने पर विरोध जताया। धमकी दी कि समय रहते समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो आगे की रणनीति तय की जाएगी। जिले भर से ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम पंचायत अधिकारी शनिवार सुबह 10 बजे विकास भवन परिसर में पहुंचे। यहां शाम पांच बजे तक धरना प्रदर्शन कर समस्याओं पर चर्चा की। स्वराज इंडिया के कैमरे पर समन्वय समिति के जिलाध्यक्ष अनुराग त्रिवेदी ने बताया कि धरनाप्रदर्शन को लेकर विभाग को पहले जानकारी दी गई थी। आरोप लगाते हुए कहा कि मनमाने ढंग से सचिवों का निलंबन, कार्रवाई, क्लस्टर आवंटन कर मानसिक व आर्थिक शोषण किया जा रहा है। उन्होंने संगठन के माध्यम से छह प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। बताया गया है कि झूठी शिकायतें कराने के बाद निलंबन के साथ विभागीय कार्रवाई की जा रही है। ग्राम पंचायतों में संचालित गोशाला में मनमाने तरह से भूसा खरीदने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। जिस फर्म के माध्यम से भूसा खरीदने का दबाव बनाया जा रहा वह फर्म भी बाहर की है। इससे कई तरह की परेशानियां ओर कठिनाई हो रही हैं लेकिन अफसर सुनने को तैयार नहीं हैं। बस अपनी बात कहे जा रहे हैं।जिन पंचायतों में अधिकारियों के कहने पर भूसा नहीं लिया जा रहा है।वहां का अचानक निरीक्षण कर गलत ढंग से निलंबन की कार्रवाई की जा रही है। कहा कि कानपुर देहात में विभिन्न योजनाओं में अच्छी रैंकिंग प्राप्त करने की होड़ में फर्जी रिपोर्टिंग करने का दबाव बनाया जा रहा है। ऐसा न करने वाले कार्रवाई हो रही है। उन्होंने डीपीआरओ विकास पटेल पर मनमाने तरीके से क्लस्टर आवंटन करने का आरोप लगाया। अनुराग त्रिवेदी ने बताया कि जो सचिव अधिकारी अच्छी सेवा पानी करते हैं जो उनको चहेते है।उन्हें पास के क्लस्टर आवंटित किए जा रहे हैं। इस तरह डीपीआरओ विकास पटेल की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

- **» जिले ग्राम पंचायत सचिवों ने खोल दी जीरो टॉलरेंस की हकीकत**
- **» सीडीओ से लेकर डीपीआरओ तक लग रहे आरोप**
- **» बाहरी फर्मों से महंगे दामों में भूसा खरीद, वरिष्ठ अफसर मौन**
- **» गलत ढंग से कार्रवाई व विभाग की मनमानी पर फूटा सचिवों का गुस्सा**
- **» 939रूपये प्रति कुंतल भूसा खरीदने का सचिवों पर हो रहा दबाव**
- **» विकास भवन परिसर के बाहर जारी रहा सचिवों का धरना प्रदर्शन**
- **» सचिवों ने कहा कि अगर उत्पीड़न होता रहा है सीएम दरबार जाएंगे**

अपने पे रहम गैरो पर करम...

कुछ सचिवों को को दो-दो क्लस्टर दिए गए हैं। जबकि कुछ सचिव बिना क्लस्टर के काम कर रहे हैं। जीएसटी व टीडीएस के नाम पर लेखाकार बेवजह परेशान करते हैं। इस दौरान सभी सचिवों ने बताया कि ई-स्वराज पोर्टल पर टीडीएस काटे जाने का कोई प्रावधान ही नहीं है। इसके बाद भी उन पर दबाव बनाया जा रहा है। सचिवों का कहना है कि जिन पंचायतों में सामग्री आपूर्ति की जाती उसका टेंडर होता है। ढाई लाख से अधिक की आपूर्ति पर दो प्रतिशत टीडीएस काटे जाने का प्रावधान है। इसके बाद भी सचिवों का उत्पीड़न किया जा रहा है।

एक दशक से एक बाबू का डीपीआरओ कार्यालय पर नियंत्रण

ग्राम सचिवों द्वारा शुरू किए गए प्रदर्शन में तरह-तरह की भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं। वही इनपुट है कि माती स्थित विकास भवन में संचालित डीपीआरओ कार्यालय में कुशवाहा नाम का बाबू एक दशक से अधिक से वहीं तैनात हैं। कई बार आरोप भी लगे लेकिन जिले से बाहर कभी तबादला नहीं हुआ।

एडीजी आलोक सिंह पहुंचे माती

जुमे की नमाज को सकुशल सम्पन्न करने का लिया जायजा किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने हेतु आग्रह किया है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।अपर पुलिस महानिदेशक जिलाधिकारी, व पुलिस अधीक्षक जनपद कानपुर देहात द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025, जुमे की नमाज को सकुशल, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने तथा चैत्र नवरात्रि, रामनवमी पर्व व अम्बेडकर जयंती आदि के दृष्टिगत थाना अकबरपुर क्षेत्रान्तर्गत भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया । प्रमुख मस्जिदों, मिश्रित आबादी/संवेदनशील स्थानों आदि जगहों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल के साथ भ्रमण/पैदल गस्त कर आम-जनमानस को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। स्थानीय लोगों से मिलकर वार्ता की गयी व सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गयी। लोगों से वार्ता कर पुलिस प्रशासन का सहयोग करने एवं किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने हेतु आग्रह किया गया। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अविलंब सम्बन्धित अधिकारी के मोबाइल नंबर या थाना/चौकी को तत्काल अवगत करायें। साथ ही अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले विभिन्न असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा लगातार भ्रमणशील रहकर ड्रोन कैमरों से सतर्क निगरानी

की जा रही है। आकस्मिक परिस्थिति में सुरक्षित/भयमुक्त वातावरण बनाने के उद्देश्य से अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिलाधिकारी कानपुर देहात,आलोक सिंह, पुलिस अधीक्षक, कानपुर देहात बीबीजीटीएस मूर्ति, अपर पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण मौजूद रहे।

रिजर्व पुलिस लाइन का भी निरीक्षण किया

अपर पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन कानपुर देहात का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान द्वारा पुलिस लाइन स्थित स्टोर रूम, आवास, बैरक, आदि का निरीक्षण किया गया। स्टोर रूम के अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति व अभिलेखों को चेक कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए पुलिस लाइन का भ्रमण कर स्टोर रूम, आवास, बैरक, आदि की साफ-सफाई की स्थिति के सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। उ0प्र0 पुलिस भर्ती 2023 के जेटीसी/आरटीसी प्रशिक्षण हेतु आने वाले आरक्षियों के संबंध में की गयी व्यवस्था के बारे में जानकारी ली गयी तथा शेष कमियों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया जिससे प्रशिक्षण हेतु आने वाले आरक्षियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

विभागाध्यक्ष की नियुक्ति पर मौन साध गए बीएचयू कुलपति

छात्रों और प्रोफ़ेसर के प्रदर्शन और नियमानुसार कार्यवाही की मान पर तीन दिन में भी कोई कार्रवाई नहीं

» प्रोफ़ेसर महेश प्रसाद ने कुलपति और रजिस्ट्रार को दिया रिमाइंडर, नियमों के तहत कार्यवाही के इंतज़ार में हैं

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में विभागाध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर मामला अभी ठंडा नहीं हुआ है। कुलपति मौन हैं, रजिस्ट्रार ने चुप्पी साध रखी है। कोई कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। बस आश्वासन दिया कि मामले को देखा जायेगा लेकिन कार्रवाई अभी तक शून्य है।मानो सब कुछ सेट है।

बीएचयू के प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के प्रोफ़ेसर महेश प्रसाद ने दो दिन पहले विभागाध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर दिए गए अपने प्रार्थना पत्र पर कोई सकारात्मक कार्यवाही की सूचना प्राप्त नहीं होने पर कुलपति को रिमाइंडर पत्र लिखा। जिसकी प्रतिलिपि उन्होंने रजिस्ट्रार को भी भेजी है। अपने रिमाइंडर पत्र में प्रो महेश ने दो दिन पहले लिखे गए अपने पत्र का जिक्र करते हुए कुलपति को संबोधित कर कहा है कि विभागाध्यक्ष के रूप में मेरी नियुक्ति के बारे में आपके द्वारा मेरे अनुरोध पर जल्द से जल्द वैध कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया था। इस संबंध में अभी तक की गई कार्यवाही से अवगत नहीं कराया गया है इसलिए विभागाध्यक्ष की नियुक्ति के इस मामले पुन: सकारात्मक कार्रवाई की उम्मीद कर रहा हूँ।

स्वराज इंडिया
अपना प्रदेश
11

बीएचयू में विभागाध्यक्ष पद को लेकर खींचतान

» बीएचयू के कुलपति के खिलाफ प्रदर्शन, मनमर्जी से नियमों और संवैधानिक व्यवस्था को दरकिनार किया

» विश्वविद्यालय में किया विरोध प्रदर्शन, अवर में नियुक्ति होने के बावजूद जूनियर को विभागाध्यक्ष पद देने पर भड़के

विश्वविद्यालय में अनियमितताओं के चल रहे 400 से अधिक मामले

2 अप्रैल 2025 को प्रकाशित स्वराज इंडिया में खबर

शीर्ष प्रशासन की संलिप्तता से होती अनियमित्ता

विश्वविद्यालय में शीर्ष प्रशासन की संलिप्तता से इसी तरह की अनियमितताओं के चलते 400 से अधिक मुकदमे हाईकोर्ट में दर्ज हो चुके हैं, जिन पर प्रशासन जनता की गाढ़ी कमाई से 1 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर चुका है। अफसोसजनक यह है शिक्षा के मंदिर में उच्च शिक्षित और बड़े पदों पर बैठे लोग इस तरह के भ्रष्टाचार में शामिल हैं।

गौरतलब है कि वरिष्ठ प्रोफेसर महेश प्रसाद को विभागाध्यक्ष बनाए जाने में हुई अनियमितता के खिलाफ प्रदर्शन किया किया गया। विश्वविद्यालय के नियम [Statute 25 (4) (2)] के अनुसार, वरिष्ठता क्रम के आधार पर प्रोफेसर महेश प्रसाद को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया जाना था। लेकिन नियमों को दरकिनार करके उन्हें इस पद से वंचित कर दिया गया।

शिक्षकों-कर्मचारियों ने लिखा कुलपति को पत्र

शिक्षकों व कर्मचारियों ने एक सामूहिक पत्र बीएचयू कुलपति को भेजा है। पत्र में कहा गया है कि नियमित विभागाध्यक्ष की अनुपस्थिति कामकाज और प्रशासनिक दक्षता को प्रभावित कर रही है। वर्तमान में, विभाग एक अंतरिम व्यवस्था के तहत काम कर रहा है जिसमें शैक्षणिक और प्रशासनिक निर्णय लेने के लिए आवश्यक दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है।

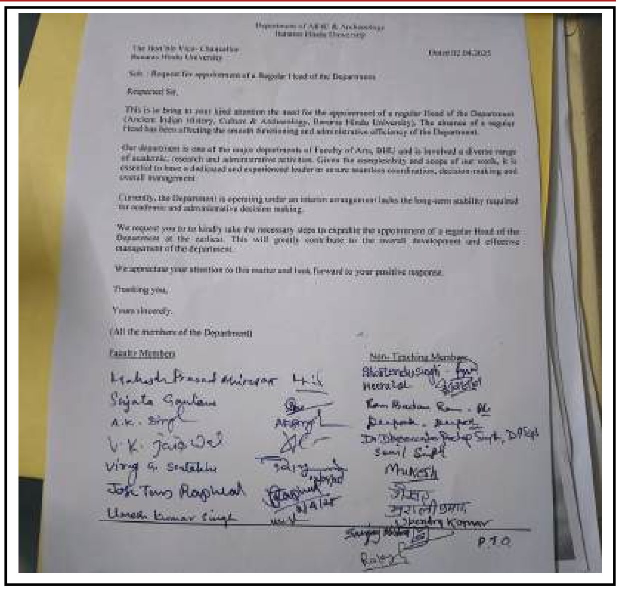
Thanking you,
Yours sincerely,
(All the members of the Department)
Faculty Members
Non-Teaching Members
P.T.O

कॉपी-किताबें ही नहीं स्टेशनरी का सामान भी हुआ महंगा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बरेली। कापी किताबें ही नहीं स्टेशनरी का सामान भी महंगा हो गया है। पिछले साल की तुलना में इस बार 15 से 20 फीसदी दामों में इजाफा हो गया है। इससे अभिभावकों की जेब पर बोझ बढ़ गया है। अधिकांश निजी स्कूलों में पहले ही चिह्नित पुस्तक विक्रेताओं की सूची अभिभावकों को थमा दी गई है।

स्केच पेन का पैकेट पिछले वर्ष 60 रुपये में मिलता था, अब 90 रुपये में मिल रहा है। जिस कलर बॉक्स की कीमत 90 रुपये थी, उसके भी दाम बढ़ चुके हैं। वह अब 130 रुपये में मिल रहा है। पिछले वर्ष जो स्कूल बैग 500 से 600 रुपये में था, अब वह 800 से 1000 रुपये में है। पैंसिल का पैकेट पहले 30 से 40 रुपये में मिलता था, अब 50 से 60 रुपये में मिल रहा है। ज्योमेट्री बॉक्स पहले 110 से 135 तो अब 140 से 170 रुपये में मिल रहा है। रबर के दाम भी बढ़े हैं।पुस्तक विक्रेता मनीष कुमार का कहना है कि स्टेशनरी का सामान ऊपर से ही महंगा आ रहा है, इसलिए उन्हें भी महंगा बेचना होगा। डीआईओएस डा.

अजीत कुमार का कहना है कि अगर कोई स्कूल चिह्नित दुकान से कापी किताब या अन्य सामान खरीदने के लिए दबाव बनाता है तो कार्रवाई की जाएगी। अगर कोई शिकायत करता है तो उसका नाम गोपनीय रखकर पुस्तक विक्रेता के यहां निरीक्षण किया जाएगा।

इस बार भी एक तो कोर्स महंगा, दूसरी ओर स्टेशनरी के दाम भी काफी बढ़ गए हैं। सब जानने के बाद भी स्कूलों की फीस, कोर्स और स्टेशनरी आदि के दाम को नियंत्रित करने के लिए अधिकारी कोई पहल नहीं कर रहे हैं– आरती, अभिभावक।पिछले साल की तुलना में इस बार कॉपी–किताबें जहां 25 फीसदी तक महंगी हुई, वहीं स्टेशनरी के दामों में भी 15 से 20 फीसदी इजाफा हुआ है। अधिकारियों को इसे रोकने के लिए कदम उठाना चाहिए

नदी में फिसली बाइक 2 बच्चों सहित डूब गए दंपति

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। एक दर्दनाक हादसे में तिलक समारोह से लौट रहा परिवार की बाइक सहित नहर में गिर गया। हादसे में पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति और दो बच्चे अभी लापता हैं।

फतेहपुर के गंगौली गांव के पवन कुमार (32) अपनी पत्नी उर्मिला, बेटी अपराजिता (13) और बेटे अर्पित (8) के साथ 2 अप्रैल को लखनऊ में फूफा के यहां तिलक समारोह में गए थे। देर रात वापस लौटते समय देवा थाना क्षेत्र से वह परिवार सहित लापता हो गए।

उनके घर न पहुंचने पर परिजनों ने सुबह लखनऊ में गुमशुदगी दर्ज कराई। 3 अप्रैल को जैदपुर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव के पास एक महिला का शव मिला। परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस में शव की पहचान उर्मिला के रूप में की।पुलिस ने शुक्रवार को ऑक्सफोर्ड स्कूल के पास नहर से पवन की मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। एसडीआरएफ की मदद से पवन और दोनों बच्चों की तलाश जारी है। पवन मजदूरी करके परिवार चलाता था। उनकी बेटी कक्षा 6 और बेटा कक्षा 3 में पढ़ते थे। घर में उनके पिता रामनाथ (55) और दादी यशोदा (90) रहते हैं। पवन का छोटा भाई अरविंद आजमगढ़ में 108 एंबुलेंस में पीएमटी के पद पर कार्यरत है। घटना से पारिवारजनों में मातम पसरा है।

» पत्नी का शव बरामद, पति लापता, दोनों बच्चों के शव मिले

» रात्रि में तिलक समारोह से लौट रहे परिवार के साथ हुआ हादसा

फतेहपुर पुलिस क्षेत्र अधिकारी जगत कनौजिया ने बताया कि लापता परिवार में महिला का शव बरामद कर लिया गया है तीन अन्य लोगों की खोजबीन के लिए नहर में पुलिस और एसडीआरएफ की मदद से अभियान चलाया जा रहा है।वहीं खबर लिखे जाने तक दोनों बच्चों के शव मिले हैं।

खाली पड़ी जमीनों पर योजनाएं विकसित होगी: डीएम शशांक त्रिपाठी

»नई जमीनों के चिन्हांकन के लिए प्रशासनिक अधिकारी जुटे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। डीएम शशांक त्रिपाठी ने जिले में नई निर्माण योजनाओं के लिए खाली पड़ी भूमि का चिन्हाकन किया है। जिसमें सर्वप्रथम उन्होंने एनआईसी भवन के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम की भूमि का चिन्हांकन किया। जो कि एनआईसी भवन के ठीक बगल स्थित है। इसी तरह डीएम ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के बगल उद्यान पार्क के पीछे पड़ी खाली भूमि का चिन्हांकन गेस्ट हाउस एक्सटेंशन के लिए किया है। इसी तरह डीएम ने छाया चौराहे के पास जमुरिया नाले की ढाल के पास खाली पड़ी भूमि का चिन्हांकन लेबर अड्डा बनाने के लिए किया है। जिसके बन जाने से काफी हद तक जिले के मजदूरों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। वहीं डीएम ने शुक्लई के पास नए ट्रांसपोर्ट नगर बसाए जाने के लिए भूमि का चिन्हांकन किया और आलापुर के पास स्थित गोकुल नगर के एचपी पेट्रोल पंप के ठीक बगल पड़ी खाली भूमि का चिन्हांकन गेस्ट हाउस बनाए जाने के लिए किया है। इस दौरान डीएम के साथ एसपी दिनेश कुमार सिंह व एडीएम अरुण कुमार , एसडीएम नवाबगंज आनंद तिवारी, एआरटीओ श्रीमती अंकिता शुक्ला कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजकीय सम्मान के साथ मनोज कुमार को दी गई अंतिम विदाई

दाह संस्कार में शामिल हुए फिल्मी सितारे

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन हो गया है। सिनेमाई पर्दे पर भारत कुमार के नाम से मशहूर एक्टर ने शुक्रवार सुबह मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में आखिरी सांसें ली थी। दिग्गज अभिनेता के जाने से हिंदी सिनेमा को गहरा सदमा लगा है। पूरा बॉलीवुड गम में डूबा हुआ है। इस बीच दिवंगत अभिनेता का आज यानी 5 अप्रैल को अंतिम संस्कार किया जा रहा है। राजकीय सम्मान के साथ उन्हें विदाई दी जा रही है।

अभिनेता का आज दाह संस्कार होने वाला जहां एक के बाद एक फिल्मी सितारे उन्हें विदाई देने पहुंच रहे हैं। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र जिन्होंने उनके साथ कई फिल्मों में काम किया है, वो भी गम में डूबे हुए हैं। साथ ही एक्टर प्रेम चोपड़ा भी मनोज कुमार को अंतिम विदाई देने पहुंचे हैं। बता दें, मनोज कुमार का अंतिम संस्कार पवन हंस श्मशान घाट पर किया जा रहा है। राजपाल यादव ने मनोज कुमार को याद करते हुए कहा, वह भारत के विश्व कला रत्न हैं। वह भारत रत्न हैं। मैं उन्हें सलाम करता हूं। वह हमारे बॉलीवुड के रत्न हैं और हमेशा रत्न बने रहेंगे।

प्रेम चोपड़ा ने भी उनके बारे में कहा, हम शुरुआत से ही साथ थे। उनके साथ काम करके हर किसी को फायदा हुआ। मुझे भी उनसे बहुत कुछ मिला। वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे, बल्कि कह सकता हूं कि वह मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक थे।

सुहेलदेव पार्टी के नेता ने दिया इस्तीफा

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

वक्फ विधेयक, को दोनो सदन में मंजूरी मिल गई है उसके बाद भी इस विधेयक को लेकर सियासत जारी है। भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी इस विधेयक की जहां अच्छाइयां बता रहे हैं तो वहीं विपक्ष इस विधेयक के खिलाफ है। इसी कड़ी में सुहेलदेव पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के संगठन मंत्री ने इस विधेयक को लेकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सुभासपा नेता फिर नकवी ने कहा कि राजभर के बयानों से आहत होकर पार्टी से इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि राजभर मुस्लिम विरोधी नीतियों का समर्थन कर रहे हैं इमामबाड़ों के खिलाफ बयान दे रहे हैं।

आप को बता दें कि भाजपा नीत राजग के घटक दल राष्ट्रीय लोकदल द्वारा संसद में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया था पार्टी के प्रदेश महासचिव शाहजेब रिजवी ने शुक्रवार को अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे को वक्फ विधेयक पर राष्ट्रीय लोकदल में बगावत के रूप में देखा जा रहा है। रालोद के प्रदेश महासचिव शाहजेब रिजवी ने बातचीत में अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए कहा कि संसद में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने के पार्टी प्रमुख जयंत चौधरी के फैसले से नाराज होकर हमने अपने पद से इस्तीफा देने के साथ ही पार्टी भी छोड़ दी है।

कैश कांड में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा ने ली शपथ

इलाहाबाद हाईकोर्ट में बनाए गए नए जज

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रयागराज। नोट बरामदगी के मामले के बाद चर्चा में आए न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण कर ली। हालांकि उन्हें तब तक कोई न्यायिक कार्य नहीं दिया जाएगा, जब तक उनके खिलाफ चल रही जांच पूरी नहीं हो जाती है। मुख्य न्यायाधीश के चेंबर में न्यायमूर्ति को शपथ दिलाई गई। शपथ के बाद हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की वरिष्ठता सूची में उनका नाम भी शामिल हो गया है। सूची में जस्टिस वर्मा का नाम नौवें स्थान पर दर्शाया गया है। नोट बरामदगी का मामला सामने आने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों ने हड़ताल का ऐलान कर दिया था। हालांकि दिल्ली में कानून मंत्री से प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात के बाद आम लोगों के हित में हड़ताल वापस ले ली गई थी।

पिछले महीने होली के अवसर पर न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली आवास के बाहरी हिस्से में आग लग गई थी। नोट के मामले का खुलासा आग बुझाने के लिए गए पहुंचे अग्निशमन दल ने किया था। इसका एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। इसी के बाद न्यायमूर्ति वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। हालांकि न्यायमूर्ति ने आरोपों से इनकार किया और उन्हें फंसाने की साजिश बताया था।इसके बाद मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने 22 मार्च को एक आंतरिक जांच शुरू की और न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए हाईकोर्ट के तीन न्यायाधीशों का पैनल भी बनाया है। इसी बीच कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति वर्मा को उनके मूल हाईकोर्ट इलाहाबाद भेजने की सिफारिश कर दी।

शपथ रोकने के लिए दायर हुई थी पीआईएल

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में तीन दिन पहले ही बुधवार को एक जनहित याचिका दाखिल करते हुए मांग की गई है कि मुख्य न्यायमूर्ति को निर्देश दिया जाए कि दिल्ली हाईकोर्ट से स्थानांतरित होकर आए जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट में जज के रूप में शपथ न दिलाई जाए।

तोड़फोड़ के दौरान किताबें समेटकर भागी अनन्या को अखिलेश ने किया सम्मानित

ऐलान: अनन्या की शिक्षा का पूरा खर्च उठाएंगे सपा मुखिया

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

यूपी के आंबेडकर नगर में अपनी झुग्गी के पास तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान किताबों को समेटते हुए दौड़ती नज़र आने वाली आठ साल की बच्ची अनन्या यादव का शनिवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सम्मान किया। पिछले दिनों अनन्या का वीडियो काफी चर्चा में रहा था। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। हाल में यूपी में हुई कुछ घटनाओं की खबरों के वीडियो दिखाने के बाद अखिलेश ने मीडिया से कहा कि पूरे प्रदेश में कोई कानून-व्यवस्था नहीं है। जीरो टॉलरेंस का नारा अब जीरो साबित हो रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों को भी न्याय नहीं मिल रहा है। बता दें कि इसके पहले अखिलेश यादव ने ऐलान किया था कि वे अनन्या की शिक्षा का पूरा खर्च उठाएंगे।

प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने 8 अप्रैल से 14 अप्रैल (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती) तक सपा द्वारा घोषित घर-घर लोगों को जागरूक करने के अभियान के सफल होने का भरोसा जताया। सपा मुखिया ने कहा कि भ्रष्टाचार का ऐसा नजारा किसी सरकार में नहीं देखा होगा कि एक आईएएस अधिकारी और उसके दलाल को पकड़ लिया गया। सुनने में आ रहा है कि वो एक नहीं कई लोगों का मैनेजमेंट करता था। ये भ्रष्टाचार का मामला नहीं था। बंटवारे के झगड़े में पोल खुल गई। भाजपा का 80-20 का नारा भी नहीं चलने वाला है। ये 80-20 का नहीं, 90-10 मामला है। आधी आबादी इनसे इतनी पीड़ित है कि कल्पना नहीं कर सकते। आधी आबादी और पीडीए को जोड़ दें तो हिसाब-किसाब 90-10 का बनता है। अखिलेश ने कहा कि वे लोग कमजोर हो गए हैं। उनका वोट खिसक गया। जनता जागरूक हो गई है। अब तो टैरिफ वाला मामला आ गया। जो दोस्त थे उन्होंने बोर्ड दिखा दिया। सरकार ये बताए कि हमारी-आपकी अर्थव्यवस्था कहां खड़ी है। जो राशन पा रहे हैं उनकी प्रति व्यक्ति आय क्या होगी?

उन्होंने कहा कि सब मुद्दों पर फेल होने के चलते भाजपा कम्युनल राजनीति कर रही है। सांसद रामजी लाल सुमन के घर हुई तोड़फोड़ को लेकर पूछे गए एक सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि इतिहास को नहीं पलटना नहीं चाहिए। वक्फ और इतिहास के मुद्दे पर घबराए लोग साजिश अफवाह फैला रहे हैं। भाजपा बुनियादी मुद्दों पर बात नहीं कर रही है। सरकार, अमेरिकी राष्ट्रपति से सीखे। कैसे वह अपने देश की अर्थव्यवस्था बचाने पर लगे हैं। वह दूसरे देशों पर शुल्क लगा रहे हैं। क्या भारत पर चीन पर प्रतिबंध लगाएगा?

वक्फ बोर्ड की जमीनों पर कब्जे के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया वाली पार्टी है। आप गोरखपुर, अयोध्या में जमीन की रजिस्ट्री की जांच कराकर देख लीजिए। अखिलेश यादव ने अनन्या के परिवार को जीरो पावर्टी योजना से जोड़ने की मांग, सरकार से की। इसके साथ ही अनन्या और उसके गांव के सभी गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने की भी मांग की।